आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)

शुक्रवार 26.07.2024 समय 1830

मुख्य समाचार :–

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा– पाकिस्तान आतंकवाद और छद्म युद्ध के सहारे खुद को प्रासंगिक बनाए रखने की कोशिश कर रहा है।
- श्री मोदी ने द्रास में 25वें करगिल विजय दिवस के अवसर पर करगिल युद्ध के बहादुरों को श्रद्धांजलि अर्पित की।
- राज्य में शहीद सैनिकों के परिजनों को मिलने वाली अनुग्रह अनुदान राशि 10 लाख रूपये से बढ़ाकर 50 लाख रूपये की जायेगी।
- मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने सचिवालय के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को ई–ऑफिस पोर्टल पर फाइलों का त्वरित निस्तारण करने के निर्देश दिए।
- रुद्रप्रयाग जिले में मद्दमहेश्वर मंदिर और यात्रा मार्ग पर फंसे सभी एक सौ छह तीर्थयात्रियों का सफल रेस्क्यू किया गया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज द्रास में करगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर इस युद्ध के नायकों को श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने कहा कि करगिल विजय दिवस हमें यह बताता है कि देश के लिए दिया गया बलिदान अमर है।

जम्मू–कश्मीर में हाल ही में हुए आतंकवादी हमलों पर पाकिस्तान की आलोचना करते हुए श्री मोदी ने कहा कि पाकिस्तान अतीत में भी अपने सभी नापाक प्रयासों में विफल रहा है, लेकिन वह आतंकवाद और छद्म युद्ध का सहारा लेकर स्वयं को प्रासंगिक बनाए रखने के प्रयास कर रहा है।

प्रधानमंत्री ने अग्निपथ योजना के बारे में भ्रामक सूचनाएं फैलाने के लिए विपक्ष की आलोचना की। उन्होंने कहा कि यह देश में होने वाले महत्वपूर्ण सुधारों में से एक है और इससे भारत का सामर्थ्य बढेगा।
श्री मोदी ने कहा कि देश के युवाओं को गुमराह करने वाले ये लोग अतीत में भी सशस्त्र बलों के प्रति कोई सम्मान नहीं रखते थे।

करगिल युद्ध के दिनों को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि वे देश के उन वीर सपूतों को नमन करते हैं, जिन्होंने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया।

श्रद्धांजलि 2

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने करगिल विजय दिवस पर सशस्त्र बलों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी है। सोशल मीडिया पोस्ट में, राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि उनका बलिदान और वीरता प्रत्येक नागरिक को प्रेरित करता रहेगा।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज दिल्ली में राष्ट्रीय समर स्मारक पर करगिल युद्ध के नायकों को पुष्पांजलि अर्पित की। सेना के उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल एन राजा सुब्रमणि, नौसेना के उप प्रमुख वाइस एडमिरल के स्वामीनाथन, वायु सेना के उप प्रमुख एयर मार्शल एपी सिंह और सीआईएससी के लेफ्टिनेंट जनरल जॉनसन पी मैथ्यू ने भी जवानों को पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

घोषणा

करगिल विजय दिवस के अवसर पर राज्य सरकार ने सैनिकों, पूर्व सैनिकों व उनके परिजनों के लिए कई घोषणाएं की हैं। देहरादून के गांधी पार्क स्थित शहीद स्मारक पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शहीदों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि राज्य में शहीद सैनिकों के परिजनों को मिलने वाली अनुग्रह अनुदान राशि 10 लाख रूपये से बढ़ाकर 50 लाख रूपये की जायेगी। साथ ही शहीद सैनिक के परिजनों को सरकारी नौकरी के लिए आवेदन करने की अवधि को 2 साल से बढ़ाकर 5 साल किया जायेगा। इसके अतिरिक्त, शहीदों के आश्रितों को अब जिलाधिकारी कार्यालयों के अलावा अन्य विभागों में भी समूह 'ग' और समूह 'घ' के पदों पर भी नियुक्ति दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने घोषणा की है कि सैनिक कल्याण विभाग में कार्यरत संविदा कर्मियों को उपनल कर्मियों की तरह अवकाश प्रदान किए जाएंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि कारगिल की यह विजय गाथा उत्तराखंड के वीरों के बिना अधूरी है और ये वीरभूमि अपने 75 सपूतों का बलिदान कभी नहीं भुलाएगी।

करगिल आयोजन

करगिल विजय दिवस को लेकर आज प्रदेश भर में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने देहरादून के चीड़बाग स्थित शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि वीर जवानों के परिवारों, वीरांगनाओं और युद्ध में घायल हुए जवानों की हरसंभव मदद करना ही शहीदों के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उधर, उत्तरकाशी के जिला मुख्यालय स्थित शौर्य स्थल में कारगिल शहीद दिनेश चंद्र कुमांई के चित्र पर पुष्प चक्र एवं पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। इस मौके पर राजस्थान राईफल, आईटीबीपी, उत्तराखंड पुलिस व एनसीसी की टुकड़ियों ने शहीदों के सम्मान में गार्ड ऑफ ऑनर पेश किया गया। हरिद्वार में कारगिल युद्ध से जुड़ी प्रदर्शनी लगाई गई, तो चंपावत जिले में जगह–जगह रैलियों का आयोजन किया गया। चमोली जिले में विभिन्न स्थानों पर पौधरोपण के साथ शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। इसके साथ ही टिहरी और ऊधमसिंह नगर जिले में विभिन्न स्कलों के छात्र–छात्राओं ने देशभक्ति से संबंधित सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

मुख्य सचिव

मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने सचिवालय के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को ई–ऑफिस पोर्टल पर फाइलों का त्वरित निस्तारण करने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव ने कहा कि पत्रावलियों के लंबित रहने पर विभाग का

संचालन प्रभावित होता है और जनहित से संबंधित कार्यों में देरी होती है। मुख्य सचिव ने प्रोटोकॉल के अनुसार निर्धारित समय–सीमा पर फाइलों का निस्तारण करने को कहा। उन्होंने लंबित फाइलों की स्थिति की निगरानी के लिए एक दैनिक समीक्षा तंत्र स्थापित करने के निर्देश दिए हैं। सचिवालय प्रशासन विभाग यह सुनिश्चित करेगा कि फाइलों के निस्तारण में अनावश्यक रूप से देरी न हो। फाइलों के निस्तारण में अनुचित देरी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ उचित कार्यवाही की जाएगी। फाइलों के निस्तारण की स्थिति पर सचिवालय प्रशासन मुख्य सचिव के समक्ष साप्ताहिक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा।

बचाव अभियान

रुद्रप्रयाग जिले में मद्दमहेश्वर मंदिर और यात्रा मार्ग पर फंसे सभी एक सौ छह तीर्थयात्रियों को सफल रेस्क्यू कर लिया गया है। ये सभी लोग कल रात बनतोली गौंड़ार में मोरकंड़ा नदी पर पैदल पुल के बहने से मंदिर और यात्रा मार्ग में फंस गए थे। घटना की जानकारी मिलते ही जिलाधिकारी सौरभ गहरवार के निर्देशन में एसडीआरएफ, डीडीआरएफ, पुलिस तथा जिला प्रशासन के अधिकारी और कर्मचारी घटना स्थल के लिए रवाना हुए। पूरे बचाव अभियान के दौरान जिलाधिकारी स्वयं मौके पर मौजूद रहे। यात्रियों को सुरक्षित रेस्क्यू करने के लिए जिला प्रशासन और सरकार द्वारा स्थानीय लोगों की मदद से अस्थाई हैलीपैड निर्माण किया गया। इसके बाद त्वरित गति से रेस्क्यू चलाकर हेलीकॉप्टर की सहायता से फंसे तीर्थयात्रियों को नानू हैलीपैड से रांसी हैलीपैड पहुंचाया गया।

जलाशय रायल्टी

मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने जलाशयों के सिल्ट या मिट्टी उठान को रॉयल्टी फ्री करने के लिए नीति बनाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि भविष्य में किसानों को सिंचाई के लिए पानी के अभाव और बाढ़ जैसे चुनौतियों के समाधान के लिए डिसिल्टिंग बेहद जरूरी है। इससे जलाशयों में पर्यटन गतिविधियों और मत्स्य पालन को भी बढ़ावा मिलेगा। मुख्य सचिव ने सचिवालय में व्यय वित्त समिति की बैठक में यह निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बौर, हरिपुरा, तुमरिया, नानकसागर जैसे जलाशयों में अत्यधिक सिल्ट जमाव की समस्या आ रही है। मुख्य सचिव ने कहा कि जलाशयों को पचास साल से भी अधिक का समय हो गया है। ऐसे स्थिति में जलाशयों की क्षमता निरंतर घटती जा रही है।

प्रजनन फार्म

मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने देहरादून पशु प्रजनन फार्म कालसी के सुदृढ़ीकरण के कार्यों के लिए विस्तृत अध्ययन करने के निर्देश दिए हैं। केन्द्र सरकार की ओर से कालसी फार्म को सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस ऑन इण्डीजिनस ब्रीड्स नामित किया गया है। यहां भ्रूण प्रत्यारोपण की तकनीक से नस्ल सुधार कार्यक्रम सम्पादित किया जा रहा है। केन्द्र पोषित राष्ट्रीय गोकुल मिशन योजना के तहत इसका सुदृढ़ीकरण प्रस्तावित है। यहां स्थापित प्रशिक्षण केन्द्र पर प्रदर्शन इकाईयों की स्थापना से पशुपालकों को हैण्डस ऑन प्रशिक्षण दिया जा सकेगा। इससे प्रशिक्षण के लिए आए पशुपालकों को बेहतर सुविधाएं प्रदान हो सकेंगी। इसके साथ ही मुख्य सचिव ने पशुलोक ऋषिकेश में हीफर रियरिंग फार्म के सुदृढ़ीकरण के कार्य की भी सैद्धान्तिक स्वीकृति दी। फार्म का कार्य राज्य के पशुपालकों को उचित मूल्य पर संकर नस्ल की गाय उपलब्ध कराना है।

भारतीय मानक ब्यूरो

भारतीय मानक ब्यूरो की देहरादून शाखा की ओर से आज मानक मंथन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान उपभोक्ताओं को पैक्ड पेयजल व पैक्ड मिनरल वॉटर जैसे खाद्य उत्पादों पर विशेष चर्चा की गई। इसमें खाद्य विभाग के साथ ही औद्योगिक जगत से जुड़े लोग व छात्र–छात्राएं शामिल हुए। भारतीय मानक ब्यूरो देहरादून शाखा के निदेशक सौरभ तिवारी ने कहा कि उपभोक्ताओं के लिए जरूरी है कि पीने का पानी पीते समय वह आईएसआई मार्क की प्रमाणिकता सुनिश्चित कर लें। इस अवसर पर खाद्य संरक्षा व औषधि प्रशासन विभाग के उपायुक्त जीसी कंडवाल ने कहा कि आम जनता के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।